वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 285 शनिवार 14 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल, महिला समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार

हमारी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

विकसित भारत-विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने में आधी आबादी दे रही सक्रिय योगदान, विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं से मुख्यमंत्री ने किया संवाद, महिलाओं ने मुख्यमंत्री का जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए जताया आभार

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला केवल परिवार ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान का संकल्प महिलाओं के योगदान के बिना पूरा नहीं हो सकता। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर कार्य करते हुए हमारी सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इसी विकास यात्रा को सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर महिला स्टार्टअप एन्टरप्रन्योर, रेडियो जॉकी, सरकारी विभागों में कार्यरत महिला अधिकारियों, आरएएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित छात्राओं, लखपति दीदी, समाजसेवी महिलाओं, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास पर कार्यरत महिला सुरक्षाकर्मियों एवं महिला कर्मचारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए नीतियों एवं योजनाओं का निर्माण कर रही है। इसी का परिणाम है कि लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में अब तक 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई है। इसी प्रकार सोलर दीदी, बैंक सखी जैसी योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। वहीं राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं का सशक्तीकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना में अब तक 6 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मां वाउचर योजना सहित विभिन्न योजनाओं द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है। वहीं, 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 19 लाख से अधिक महिला पेंशनरों को 6 हजार 876 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 27 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह के लिए लगभग 101 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई है।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने अनुभव किए साझा

संवाद के दौरान ब्यावर की सोनिया वर्मा ने राज्य सरकार द्वारा महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए आभार जताया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए हाल ही में लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन के लिए भी केन्द्र एवं राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। हनुमानगढ़ की मधु राठौड़ ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी सफलता की कहानी रखी। डॉ. कृति भारती ने बताया कि समाज में बाल विवाह की रोकथाम के लिए वे निरंतर कार्य कर रही हैं। साथ ही, इस संबंध में वे जागरूकता भी ला रही हैं। डीडवाना-कुचामन की बाली देवी ने बताया कि राजीविका के माध्यम से वह आज बैंक सखी बनकर न केवल आत्मनिर्भर बनी, बल्कि वे अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए अवसर दे रही हैं। इस दौरान उपस्थित छात्राओं एवं महिलाओं ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सराहना की। साथ ही, लाभान्वितों ने अपना अनुभव भी सभी के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिला सुरक्षा एवं सम्मान की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पारदर्शिता से किया जा रहा है।

भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव गुरुवार को सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समूचा नगर 'आदिनाथ भगवान की जय' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

दीपकों से महका मंदिर, मंत्रोच्चार के बीच हुई शांतिधारा

सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष पारस सोनी ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ भक्तामर स्तोत्र के पाठ के साथ हुआ, जहाँ श्रद्धालुओं ने 48 श्लोकों के साथ 48 दीप समर्पित कर महाआरती की। मुख्य कार्यक्रम में भगवान आदिनाथ का जलाभिषेक और विश्व शांति की मंगलकामना के साथ शांतिधारा की गई। नगर के सभी जिनालयों में विशेष भक्तिमय विधान का आयोजन हुआ।

बैंड-बाजों के साथ निकली भव्य पालकी यात्रा

विधान संपन्न होने के पश्चात मधुवन स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। यात्रा में महिलाएँ केसरिया और पुरुष सफेद पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए। श्रावक-श्राविकाएँ हाथों में पचरंगी ध्वज लिए चल रहे थे। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुँची, जहाँ भगवान का कलशाभिषेक और आरती की गई। इसके पश्चात प्रभावना (प्रसाद) का वितरण हुआ।

भक्ति संध्या और पालना महोत्सव

रात्रि में भगवान को पालने में झुलाने का पारंपरिक व भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुमित सेठिया एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रावक देर रात तक झूमते रहे।

भगवान के पालने को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य महावीर रिआंश वैद परिवार को, रत्न वृष्टि का सौभाग्य राजकुमार यश गदिया परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उम्मेद मल गंगवाल का विशेष सहयोग रहा। महामंत्री डॉ. ज्ञान सागर जैन ने सभी पुण्यार्जक परिवारों और समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए पर्व की शुभकामनाएँ दीं।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
प्रायोजक समाचार जगत
दिगंबर जैन महा समिति महिलांचल राजस्थान
निवाई इकाई
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 15 मार्च 2026
प्रातः 10 से 2 बजे तक
स्थान : अग्रवाल मन्दिर
कृषि मण्डी के सामने, निवाई
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान अंचल निवाई इकाई
शशि सौगानी : अध्यक्षा, शकुन्तला छाबड़ा : मंत्री
विशेष सहयोगी : दिगम्बर जैन महासमिति निवाई इकाई
हुकुम चंद प्रेस वाले
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
कार्यक्रम सहयोग कर्ता :
श्रीमान् सुनील भांजा, संजय सोगानी, विमल जोला
चित्र अनावरण कर्ता :
श्रीमान् लालचन्द जी (कठमाणा वाले)
दीप प्रज्जवलन कर्ता :
श्रीमान् मोहित चावरिया

काठमांडू के कमल पोखरी जैन मंदिर में भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव संपन्न

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया। नेपाल की पावन धरा पर स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कमल पोखरी में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव अत्यंत भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मंदिर कमेटी एवं सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था (नेपाल शाखा) के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने बताया कि प्रातः काल भगवान के अभिषेक, शांतिधारा और नित्य पूजन के साथ आयोजनों का शुभारंभ हुआ। उत्सव के दौरान मूलनायक भगवान आदिनाथ की प्रतिमा की मंदिर प्रांगण में जयकारों के साथ तीन परिक्रमाएँ लगाई गईं। उल्लेखनीय है कि यह पूरे नेपाल का एकमात्र जैन मंदिर है जहाँ मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ की है। संध्या काल में रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के साथ 48 दीपकों से भक्तामर महाअर्चना की गई। इसके पश्चात संगीतमय महाआरती, भजनों और आदिनाथ चालीसा के पाठ से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और विशेष सजावट से सजाया गया था। इस भव्य आयोजन में मंदिर कमेटी के पदाधिकारी राजेश काला (कोषाध्यक्ष), संजय गुड्डू जैन (सचिव), प्रदीप जैन, अंकित सरावगी, संजय काला, राकेश काला सहित स्थानीय समाज और रंगिया (असम) एवं आगरा से आए तीर्थयात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में अध्यक्ष सेठी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नसीराबाद में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

नसीराबाद (रोहित जैन): जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, देवाधिदेव 1008 भगवान आदिनाथ जी का जन्म कल्याणक महोत्सव गुरुवार को नगर में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें संपूर्ण जैन समाज ने सहभागिता की। उत्सव का शुभारंभ विवेक जागृति महिला मंडल के तत्वाधान में निकाली गई भव्य प्रभात फेरी से हुआ। यह प्रभात फेरी श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ श्रद्धालुओं ने भक्तिमय जयकारों के साथ वातावरण को धर्ममय कर दिया। मंदिर पहुँचने पर विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण संपन्न हुआ। श्री आदिनाथ अभिषेक मंडल के सानिध्य में भगवान की वृहत शांतिधारा, नृत्य, पूजन-पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया गया। शाम को श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के तत्वाधान में विशेष आकर्षण '48 दीपकों से भक्तामर पाठ' रहा। इस सामूहिक पाठ में समाज के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभिषेक मंडल के कार्यकर्ता सुरेंद्र बड़जात्या, पदम सेठी (एडवोकेट) और धर्मेंद्र बड़जात्या ने बताया कि समस्त कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न हुए।

राजनीति

संसद में हंगामा और वास्तविक मुद्दों से भटकती राजनीति

कांतिलाल मांडोत

लोकतंत्र में संसद केवल बहस का मंच नहीं, बल्कि देश की सामूहिक चेतना और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यहां लिए गए निर्णय राष्ट्र की दिशा तय करते हैं और यहां होने वाली चर्चाएं करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों से जुड़ी होती हैं। इसलिए, जब संसद में गंभीर विषयों पर विचार के बजाय लगातार हंगामा और टकराव देखने को मिलता है, तो जनता में निराशा का भाव पैदा होना स्वाभाविक है। हालिया सत्रों की स्थिति ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक दल राष्ट्रीय हितों पर चर्चा के प्रति गंभीर हैं या संसद को केवल राजनीतिक विसात बना दिया गया है। संसद के हालिया सत्र में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष की मांग थी कि इस अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के वैश्विक और घरेलू प्रभावों पर विस्तृत चर्चा कराई जाए। यह मांग अनुचित नहीं है, क्योंकि पश्चिम एशिया की अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी एक गंभीर चिंता का विषय है। किंतु, जिस प्रकार विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित की, उसने मांग की गंभीरता को कम कर दिया। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही नारेबाजी और हंगामे के कारण सदन को बार-बार स्थगित करना पड़ा। जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सरकार का पक्ष रखने के लिए वक्तव्य देना शुरू किया, तब भी विरोध जारी रहा। विपक्ष का तर्क था कि वक्तव्य से पहले चर्चा होनी चाहिए, जबकि सरकार का कहना था कि पहले आधिकारिक जानकारी सुनी जाए। इस गतिरोध में पूरे दिन की सार्थक चर्चा भेंट चढ़ गई। इस घटनाक्रम का एक और पहलू लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस था। संसदीय परंपरा के अनुसार, जब ऐसा कोई प्रस्ताव आता है, तो उसे सदन में प्रस्तुत कर चर्चा शुरू करनी चाहिए। किंतु जब अवसर दिया गया, तब विपक्ष ने प्रस्ताव पेश करने के बजाय अन्य मुद्दों पर हंगामा जारी रखा। इससे यह संदेश गया कि विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को लेकर स्पष्ट नहीं है और उसकी प्राथमिकता वास्तविक बहस से अधिक राजनीतिक दबाव बनाना है।

संपादकीय

रिश्तों में बढ़ता अविश्वास : बदलते समाज की चुनौती

दुनिया के कई पश्चिमी देशों की तरह अब भारत में भी वैवाहिक संबंधों में टूटन का ग्राफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि बड़ी संख्या में लोग अपने जीवनसाथी की निगरानी के लिए निजी डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ले रहे हैं। विवाहेत्तर संबंधों की जांच में कई मामलों में संदेह सही भी साबित हो रहे हैं। यद्यपि इस तरह के सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता और उनके दायरे पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन यह सच है कि भारतीय पारिवारिक संस्था में अविश्वास की दरारें बढ़ती जा रही हैं। पश्चिमी जीवनशैली के अंधानुकरण और ''खाओ-पियो, मौज करो'' जैसी प्रवृत्तियों ने विवाह संस्था की गरिमा को प्रभावित किया है। समाज में अलगाव, तलाक और हिंसक प्रतिशोध के मामलों में तेजी आई है। सोशल मीडिया ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। जिन विषयों को कभी सामाजिक रूप से वर्जित माना जाता था, आज वे खुलेआम चर्चा का विषय बनकर न्यू नॉर्मल बनते जा रहे हैं। दरअसल, भारतीय समाज पिछले कुछ वर्षों से एक संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। कभी विवाह के समय जन्म-जन्मांतर साथ निभाने की कसमें खाई जाती थीं, लेकिन आज वही पति-पत्नी एक-दूसरे की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जासूसी एजेंसियों का सहारा लेने लगे हैं। जिन जीवन मूल्यों, संयम और पारिवारिक मर्यादाओं के लिए भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां अब यौन स्वच्छंदता

और विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। एक समय भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था सामाजिक संतुलन का आधार थी। परिवार के बुजुर्गों का मार्गदर्शन और अनुशासन रिश्तों को संभाले रखता था। कामकाज का स्वरूप भी स्थानीय होने से सामाजिक व्यवहार संतुलित रहता था। लेकिन वैश्वीकरण, रोजगार के बदलते अवसर और देश-विदेश में कामकाज के कारण जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। कई बार लंबे समय तक अलग रहने की स्थिति भी रिश्तों में दूरी और संदेह को जन्म देती है। विदेश में रहने वाले पति या पत्नी की गतिविधियों की जांच के लिए डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले भी सामने आते रहे हैं, जिनके बाद विवाद, मुकदमेबाजी और अलगाव की स्थिति बन जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 से 2025 के बीच तलाक के मामलों के पीछे कई कारण सामने आए हैं। पति-पत्नी की आपसी सहमति से लगभग 2.5 से 3 लाख मामले अदालतों तक पहुंचे। क्रूरता के आधार पर 1.8 से 2 लाख से अधिक, जबकि विवाहेत्तर संबंधों के कारण लगभग 50 से 60 हजार मामलों में तलाक की अर्जी दी गई। घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न से जुड़े मामलों की संख्या भी एक लाख से अधिक रही। इसके अलावा लगातार झगड़े, यौन समस्याएं, मानसिक बीमारी, धार्मिक या सांस्कृतिक मतभेद और विवाह से पहले दी गई गलत जानकारी भी कई वैवाहिक संबंधों के टूटने की वजह बनी। दरअसल, कई बार पति-पत्नी अपने रिश्ते से ऐसी अपेक्षाएं पाल लेते हैं जो वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहाँ न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी भूमिकाओं का निर्वहन जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ करें। किंतु हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव कई ऐसे प्रश्न खड़े करता है जो संसदीय गरिमा से जुड़े हैं।

अविश्वास प्रस्ताव और विपक्ष की गंभीरता

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक अत्यंत गंभीर संसदीय कदम है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क और गंभीर आरोप होने अपेक्षित हैं। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने इस प्रस्ताव को पेश किया और बाद में इसे ध्वनि मत से खारिज होने दिया, उसने इस पूरी प्रक्रिया की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। विपक्ष ने मत विभाजन (वोटिंग) की मांग तक नहीं की, जो इस तथ्य को पुष्ट करता है कि उन्हें स्वयं अपने प्रस्ताव की सफलता पर विश्वास नहीं था। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण स्थिति तब दिखी जब चर्चा के अवसर पर विपक्ष ने अध्यक्ष के विरुद्ध आरोपों पर बात करने के बजाय अन्य अंतरराष्ट्रीय विषयों पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह व्यवहार संकेत देता है कि विपक्ष, विशेषकर मुख्य विपक्षी दल, अपने ही संवैधानिक कदमों को लेकर गंभीर नहीं था। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका नीतियों की समीक्षा और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करने की होती है, न कि केवल शोर-शराबे और प्रतीकात्मक विरोध तक सीमित रहने की। नेता

प्रतिपक्ष की भूमिका संसद में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्हें सरकार की आलोचना का पूरा अधिकार है, किंतु यह अधिकार संसदीय नियमों की परिधि में होना चाहिए। पिछले कुछ समय में बिना ठोस प्रमाणों के संवैधानिक संस्थाओं जैसे चुनाव आयोग पर आरोप लगाना या अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर बिना तथ्यों के सरकार को घेरना, लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए उचित नहीं माना जा सकता। संसद में प्रभावी विमर्श के लिए सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। यदि महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान अनुपस्थिति रहेगी या विदेश यात्राओं को प्राथमिकता दी जाएगी, तो संसदीय विमर्श को सशक्त कैसे बनाया जा सकेगा? संसदीय लोकतंत्र केवल भाषणों से नहीं, बल्कि सदन के भीतर निरंतर उपस्थिति और सार्थक हस्तक्षेप से जीवंत होता है।

भूमिका और निष्पक्षता

लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। ओम बिरला का कार्यकाल सदन को नियमबद्ध और उत्पादक बनाने की दिशा में उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने युवा सांसदों को प्रोत्साहित करने और संसदीय समितियों को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया है। उनका शांत और संवादपरक स्वभाव अक्सर तीखी बहस के बीच भी सदन में संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध हुआ है। ऐसे में इस संस्था को राजनीतिक टकराव का केंद्र बनाना शुभ संकेत नहीं है। भारतीय लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है; यह निरंतर जवाबदेही और विमर्श की प्रक्रिया है। दुर्भाग्यवश, हाल के वर्षों में संसद में हंगामे की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे जनता के मन में अपने प्रतिनिधियों के प्रति संशय उत्पन्न होता है।

श्री गुफा मंदिरजी में भजनों और नृत्य नाटिका के साथ 'मंगलाचार' कार्यक्रम संपन्न

अजमेर. कासं

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर द्वारा सरावगी मोहल्ला स्थित अतिशयकारी श्री गुफा मंदिरजी में 'मंगलाचार' का भव्य कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

भक्तिमय प्रस्तुतियां और भजन संध्या

समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं इकाई अध्यक्ष किरण गोधा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के समक्ष णमोकार मंत्र और भक्तामर स्तोत्र के पाठ से हुआ। उपस्थित महिलाओं ने लिया प्रभु अवतार, कितना सुंदर तेरा द्वार और मनहर तेरी मूरतिया जैसे प्रसिद्ध भजनों के माध्यम से सामूहिक भक्ति की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य नाटिका

युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा के सानिध्य में नन्हीं बालिकाओं चहक और ख्याति गंगवाल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक विशेष नृत्य नाटिका रही, जिसमें रिंकू कासलीवाल (राजा सिद्धार्थ), ममता कासलीवाल (माता त्रिशला), राजुल गंगवाल और पूजा गंगवाल ने सजीव अभिनय किया। प्रस्तुति में शशि गंगवाल, कुसुम बड़जात्या, सरोज बड़जात्या और कांता गोधा का भी विशेष सहयोग रहा। मंत्री सुषमा पाटनी एवं प्रचार मंत्री शशि बज ने जानकारी दी कि इस अवसर पर नवल छाबड़ा, भावना बाकलीवाल, रेनू पाटनी, अंजू गोधा सहित जैन समाज की 100 से अधिक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिपूर्वक इस 'घर-घर मंगलाचार' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 15 मार्च 2026
प्रातः 9.30 से 3 बजे तक
स्थान : वी.के.आई एसोसिएशन भवन
रोड़ न. 1, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
:: संयोजक ::
पंकज जैन (मो. 9314633391)
आशीष जैन (मो. 9252233351)
रोनक जैन (मो. 8209568076)
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
Vardhman Printers # 9314263204

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान आदिनाथ का जन्मोत्सव, निकली भव्य पालकी यात्रा

सांगानेर. शाबाश इंडिया

मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज के पावन आशीर्वाद से श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, देवाधिदेव भगवान आदिनाथ (सांगानेर वाले बाबा) का जन्म महोत्सव गुरुवार, 12 मार्च 2026 को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। विद्वान किरण प्रकाशजी जैन एवं पं. नवीनजी जैन के सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रातः काल भगवान आदिनाथ को भव्य पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। बैंड-बाजों की मधुर धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं और चंवर ढुलते श्रावकों के साथ यह शोभायात्रा देखते ही बन रही थी। नगरवासियों ने जगह-जगह भगवान की आरती उतारी। शोभायात्रा के मंदिर पहुँचने पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रेमचंद बज ने ध्वजारोहण कर मुख्य कार्यक्रमों का शुभारंभ किया।

महामस्तकाभिषेक एवं पूजन

भगवान के प्रथम कलश का सौभाग्य श्री कैलाशचंद, अशोक कुमार, मनोज कुमारजी सपरिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात समस्त श्रावकों ने भक्ति भाव से महामस्तकाभिषेक कर बाबा आदिनाथ का जन्मोत्सव मनाया।

सामूहिक भक्तामर अनुष्ठान और दीप प्रज्वलन

अध्यक्ष महावीर प्रसाद बज एवं मानद मंत्री राकेशजी जैन ने बताया कि संध्या काल में संतोष कुमार और राहुल कुमार जैन परिवार द्वारा 108 दीपकों से भगवान की महाआरती की गई। तत्पश्चात, मंदिर प्रांगण में सांगानेर समाज के 48 परिवारों ने सामूहिक भक्तामर अनुष्ठान किया। आगरा से आए आदि एवं सृष्टि जैन के मधुर संगीत के बीच ऋद्धि मंत्रों के साथ

48 दीप प्रज्वलित किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रबंधकारिणी कमेटी ने श्री सुधासागर नवयुवक मंडल और श्री विद्यासागर बहुमंडल का आभार व्यक्त किया तथा बाहर से पधारे श्रेष्ठिगणों का सम्मान किया।

आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक पर स्कूली बच्चों को बांटी गई मिठाई

अजमेर/पुष्कर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति (अजमेर संभाग) और लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सेवा कार्य किया गया। इस मंगल अवसर पर तीर्थराज पुष्कर में संचालित 'मंडला स्कूल' के विद्यार्थियों के मध्य मिष्ठान वितरण का आयोजन हुआ।

शिक्षा के साथ सेवा का संगम

महासमिति के संभाग अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि विद्यालय प्रबंधक बुद्धि प्रकाश गौड़ एवं शिक्षिका डिंपल गौड़ के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान स्लम एरिया से शिक्षा ग्रहण करने आने वाले 60 से अधिक बच्चों को मिठाई वितरित की गई। संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक संस्कारों से जोड़ना और खुशियाँ बाँटना रहा।

बच्चों को दिया शिक्षा का संदेश

इस अवसर पर अतुल पाटनी ने नन्हें विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे पूरे मन और लगन के साथ शिक्षा ग्रहण करें, क्योंकि शिक्षा ही बेहतर भविष्य का आधार है। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों के चेहरे पर मुस्कान दिखी और उन्होंने हर्षोल्लास के साथ इस उत्सव में भाग लिया।

श्री साई नाथ सेवा धाम समिति की भागवत कथा का समापन

संकट में काम आने वाला ही सच्चा मित्र : स्वामी दयानंद सरस्वती

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री साईं नाथ सेवा धाम समिति के तत्वावधान में तथा श्री साईं बाबा के 20वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर राजापार्क स्थित सिंधी कॉलोनी के स्वामी सवानंद पार्क में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह का समापन शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। समापन अवसर पर सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष प्रसंग का वर्णन किया गया तथा कथा की पूर्णाहुति के बाद पोथी विदाई की गई। सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा का वाचन करते हुए जगद्गुरु परमहंसाचार्य स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि ''स्व दामा यस्य सः सुदामा'', अर्थात जो अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण कर ले, वही सुदामा कहलाता है। उन्होंने बताया कि सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता निःस्वार्थ और सच्चे प्रेम पर आधारित थी। सुदामा ने कभी भगवान से धन या सुख-सुविधाओं की कामना नहीं की। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि सुदामा के जीवन में धन की कमी अवश्य थी, लेकिन उनके भीतर अपार शांति और संतोष था। वे परम शांति के साथ जीवन व्यतीत करते थे, क्योंकि उनके पास प्रभु-नाम का अमूल्य धन था। उनके जीवन में भौतिक संपत्ति का अभाव था, लेकिन आध्यात्मिक संपन्नता की पूर्णता थी। वे सदैव भक्ति और प्रभु-स्मरण में लीन रहते थे। उन्होंने सुदामा प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जब सुदामा द्वारिका जाने लगे तो उनके घर में अन्न का एक दाना तक नहीं था, जिसे वे भगवान श्रीकृष्ण के लिए भेंट स्वरूप ले जा सकें। तब उनकी धर्मपत्नी सुशीला ने चार घरों से चार मुट्ठी चावल मांगकर लाए और वही चावल सुदामा पोटली में बांधकर भगवान द्वारिकाधीश के पास ले गए। भगवान श्रीकृष्ण ने उन चावलों को बड़े प्रेम और भाव से स्वीकार किया।

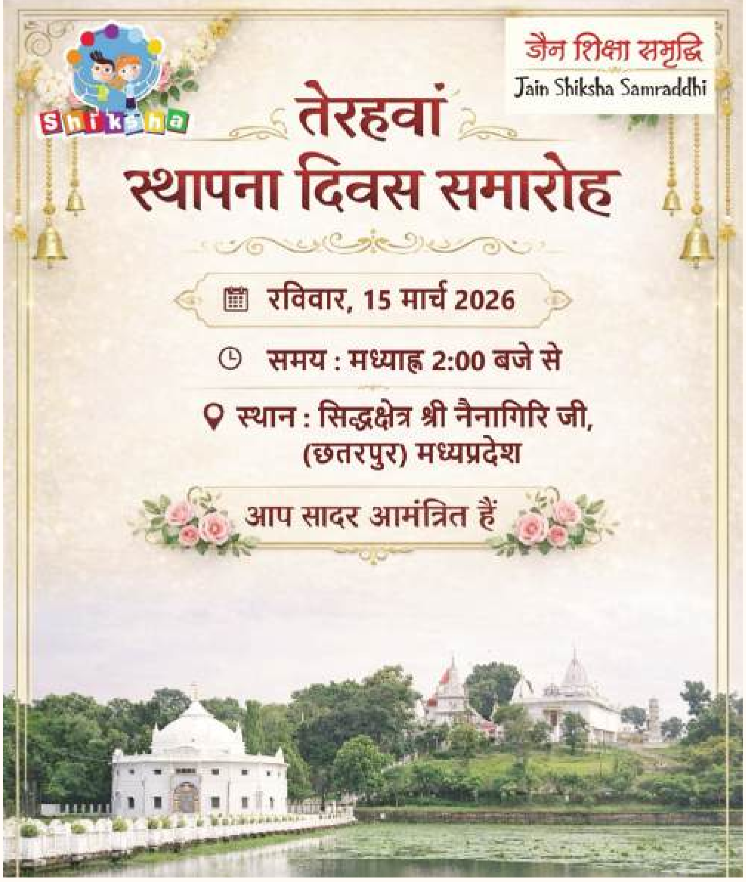

सिद्धक्षेत्र नैनागिरि में मनेगा 'जैन शिक्षा समृद्धि' का 13वां स्थापना दिवस समारोह

बकस्वाहा (रत्नेश जैन रागी). शाबाश इंडिया

बुंदेलखंड के सुविख्यात जैन तीर्थ क्षेत्र नैनागिरि में 'जैन शिक्षा समृद्धि' संस्थान का 13वां स्थापना दिवस समारोह आगामी 15 मार्च 2026 को दोपहर 2:00 बजे से हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में देश के ख्याति प्राप्त शिक्षाविद, विद्वान और जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

संस्कारयुक्त शिक्षा का संकल्प

संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री जवाहर जैन (सिकंदराबाद) ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन, राष्ट्रीय महामंत्री जीवेत जैन और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन के कुशल निर्देशन में वर्ष 2013 से यह संस्था कार्यरत है। इसका मुख्य उद्देश्य बुंदेलखंड के उन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और संस्कारों की स्थापना करना है, जहाँ संसाधनों का अभाव है लेकिन बच्चों की आँखों में भविष्य के बड़े सपने हैं।

वर्तमान में संचालित विभिन्न प्राइमरी विद्यालयों में संस्था न केवल आधुनिक शिक्षा, बल्कि नैतिक मूल्यों की सुगंध भी बिखेर रही है। यहाँ के शिक्षक और शिक्षिकाएं विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर नन्हें बालकों के जीवन को सही दिशा और संस्कारयुक्त व्यक्तित्व प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जैन शिक्षा समृद्धि के समस्त पदाधिकारियों ने धर्मप्राण जनता और शिक्षा प्रेमियों से इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

वीरा सन्मति कुकनवाली ने की गो-सेवा: एकादशी पर गौशाला में खिलाया गुड़

'बेजुबानों की सेवा ही सच्ची सेवा' के संकल्प के साथ महिला मंडल ने निभाई सहभागिता

कुकनवाली. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल वीरा सन्मति कुकनवाली द्वारा एकादशी (गयारस) के पावन अवसर पर जीवदया अभियान के तहत गो-सेवा का पुनीत कार्य किया गया। संस्था के सदस्यों ने 'मूक और बेजुबान प्राणियों की सेवा ही सच्ची सेवा है' की भावना के साथ स्थानीय गोपाल गौशाला पहुँचकर गो-माता को गुड़ खिलाया और उनकी सेवा अर्चना की।

सामूहिक सहयोग से सेवा कार्य

वीरा सचिव लीला काला के सानिध्य में आयोजित इस सेवा कार्य में महिला मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर ममता सेठी, शकुंतला, राखी काला, मनीषा बड़जात्या, सोनू सेठी, मीना और कल्पना काला ने गो-सेवा में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष उर्मिला सेठी ने सभी सदस्यों की सेवा भावना की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीवदया के ऐसे कार्य समाज में करुणा और संवेदनशीलता का संदेश देते हैं, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है।

मेवाड़ी भक्ति के रंग में रंगीं फ्रांसीसी कलाकार: ऐना लॉरे पूलां ने की दशा माता की पूजा

विरासत शो की संचालिका विजयलक्ष्मी आमेटा के साथ मंदिर पहुँचकर की सुख-समृद्धि की मंगलकामना

राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मेवाड़ की समृद्ध लोक परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के प्रति विदेशी कलाकारों का आकर्षण दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में फ्रांस की प्रसिद्ध कलाकार ऐना लॉरे पूलां ने मेवाड़ी रीति-रिवाजों के अनुसार श्रद्धापूर्वक 'दशा माता' की पूजा-अर्चना की। वे 'विरासत फोक डांस एंड पपेट शो' की संचालिका विजयलक्ष्मी आमेटा के साथ उनके हर्ष नगर स्थित आवास से पारंपरिक थाली लेकर मंदिर पहुँचीं।

पीपल पूजन कर की मंगलकामना

ऐना लॉरे शनिवार तड़के लगभग 5 बजे पारंपरिक भारतीय परिधान धारण कर मंदिर पहुँचीं। वहाँ उन्होंने विधि-विधान से पीपल के वृक्ष की पूजा की और दशा माता की आराधना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि एवं लोक-कल्याण की प्रार्थना की। मेवाड़ी बोली और रीति-रिवाजों के प्रति उनका गहरा लगाव देखकर स्थानीय लोग भी उत्साहित नजर आए।

स्थानीय संस्कृति को समझने की जिज्ञासा

उल्लेखनीय है कि ऐना लॉरे पिछले कुछ समय से मेवाड़ी लोक संस्कृति का गहन अध्ययन कर रही हैं। इससे पूर्व उन्होंने शीतला सप्तमी के अवसर पर भी पूजा-अर्चना की थी और 'ठंडा भोजन' (बास्योड़ा) करने की परंपरा के वैज्ञानिक व धार्मिक महत्व को विस्तार से समझा था। विदेशी कलाकारों की इस सहभागिता से मेवाड़ की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सेना के जवानों की पत्नियों ने सीखे वित्तीय प्रबंधन के गुर

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'रवि फाउंडेशन' और 'शिव शक्ति कृपा फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में सेना के जवानों की पत्नियों के लिए विशेष समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आर्थिक मजबूती और बेटियों का साथ

मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार लता खण्डेलवाल ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आान किया कि माताएँ अपनी बेटियों के सपनों को पूरा करने के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी हों। 'शिव शक्ति कृपा फाउंडेशन' की अध्यक्ष ख़ुशी सिंह ने आत्मसम्मान के साथ जीने और राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने पर जोर दिया।

वित्तीय प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य

कार्यशाला में सीए सोनम खंडेलवाल ने वित्तीय प्रबंधन के गुर सिखाए। वहीं, साउथ वेस्ट कमांड की मनोवैज्ञानिक डॉ. वंदना ने आर्थिक स्थिति का मानसिक स्वास्थ्य से संबंध बताते हुए कहा कि वित्तीय असंतुलन तनाव का मुख्य कारण है। उन्होंने खर्चों का लिखित लेखा-जोखा रखने की सलाह दी।

नारी शक्ति का सम्मान

रवि फाउंडेशन के अध्यक्ष पुल्कित भारद्वाज ने समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम में नारी शक्ति के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मंच संचालन आभा सिंह ने किया।

वैश्य कम्युनिटी स्टार्टअप फाउंडेशन के समारोह में शामिल हुए जयपुर चैप्टर के प्रतिनिधि

जयपुर/मुंबई. शाबाश इंडिया। उद्यमिता, नवाचार और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुंबई के होटल सहारा स्टार में वैश्य कम्युनिटी स्टार्टअप फाउंडेशन (वीसीएसएफ) द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर एंड रिकॉग्निशन' समारोह एवं 'एआई बिजनेस प्रॉस्पेक्ट्स' सत्र का भव्य आयोजन किया गया।

प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष गणपत कोठारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जयपुर चैप्टर की ओर से गंगाराम खंडेलवाल और रोशन खंडेलवाल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में ललित काबरा, सीए संजीव चिरिनिया, महेंद्र पोद्दार, पवन बंसल और एल.एन. अग्रवाल जैसे प्रमुख उद्योगपतियों ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।

एआई और भविष्य के व्यावसायिक अवसर

फाउंडेशन के सह-संस्थापक संजय बैद और रोशन खंडेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वैभव गुप्ता का 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर आधारित विशेष सत्र रहा। उन्होंने विस्तार से समझाया कि कैसे एआई तकनीक भविष्य में उद्योगों को नई दिशा देगी।

स्टार्टअप्स को मिलेगी फंडिंग और पहचान

जयपुर चैप्टर की अध्यक्ष राखी जैन ने बताया कि समाज के विभिन्न पैट्रन एवं एडवाइजरी सदस्यों को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। फाउंडेशन का लक्ष्य अपने नेटवर्क के माध्यम से उभरते स्टार्टअप्स को हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स और वेंचर कैपिटल निवेशकों के जरिए फंडिंग के अवसर प्रदान करना है। अंत में, प्रतिनिधियों ने वैश्य समुदाय के अधिक से अधिक लोगों से इस मंच से जुड़ने का आह्वान किया ताकि एक सशक्त व्यापारिक तंत्र विकसित किया जा सके।

समय और वक्त का अंतर ही जीवन का सार: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया। विश्ववंद्य तपस्वी अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागरजी महाराज की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' इन दिनों राजस्थान की पुण्य धरा पर विहार कर रही है। दीक्षा भूमि परतापुर (बांसवाड़ा) की ओर बढ़ रहे आचार्य श्री ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ में श्रद्धालुओं को जीवन के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया। आचार्य श्री ने समय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, सबसे अच्छा भी समय है और सबसे बुरा भी समय, बस अंतर केवल वक्त का है। उन्होंने ऋतु परिवर्तन का उदाहरण देते हुए समझाया कि जो रजाई-कंबल कल तक प्रिय थे, आज कूलर-पंखे उनकी जगह ले चुके हैं। इसी प्रकार जीवन का कोई भी कठिन दौर अंतिम सत्य नहीं होता। बाधाएं हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि कुछ नया सिखाने और विकास का अवसर देने आती हैं। चुनौतियों का साहस से सामना करने पर ही हमारी सोचने की क्षमता मजबूत होती है।

भव्य मंगल विहार

प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने बताया कि शुक्रवार, 13 मार्च 2026 को प्रातः 6:00 बजे आचार्य संघ का भव्य मंगल विहार दिगंबर जैन जूना मंदिर, प्रतापगढ़ से प्रारंभ हुआ। यह पदयात्रा 14 किलोमीटर की दूरी तय कर 800 वर्ष प्राचीन अतिशय क्षेत्र देवगढ़ पहुँची। आगामी दिनों में यह अहिंसा संस्कार पदयात्रा मुंगाना, पारसोला, घाटोल और बांसवाड़ा होते हुए अपने गंतव्य अद्वेश्वर पार्श्वनाथ, परतापुर की ओर अग्रसर होगी।

भट्टारक जी की नसिया में 2352 दीपकों से महकी भगवान आदिनाथ की 'महाअर्चना'

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा, जयपुर के तत्वावधान में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) एवं चक्रवर्ती सम्राट भरत का जन्म जयंती समारोह भट्टारक जी की नसिया में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने 2352 दीपक प्रज्वलित कर संगीतमय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान संपन्न किया।

2352 दीपकों का अलौकिक दृश्य

सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि रात्रि 8:00 बजे आयोजित इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने मुख्य मंडल सहित 48 मंडलों पर 48-48 दीपक प्रज्वलित किए। ऋद्धि मंत्रों के साथ किए गए भक्तामर पाठ ने संपूर्ण वातावरण को ऊर्जामय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य मंडल पर दीप प्रज्वलन का सौभाग्य सुनील-आदित्य पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ।

भक्ति भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गायक नरेंद्र जैन और अशोक गंगवाल ने भक्तामर श्लोकों के साथ चाकर राख ले आदिश्वरा, मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे और भक्ति में मैं थारी नाच रह्यो रे जैसे भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम में पुरुष सफेद वस्त्रों में और महिलाएँ लाल चुनड़ी की साड़ियों में पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित हुईं।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

समारोह में अशोक टकसाली, आभा जैन, उमरावमल संघी (मानद मंत्री, श्री महावीर जी), रूपिन काला, हेमंत सोगानी और राजीव जैन (गाजियाबाद) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, यशकमल अजमेरा, अमर चंद दीवान और मुख्य संयोजक सुभाष कुमार बज ने किया। मंच संचालन महामंत्री मनीष बैद व सुभाष बज ने किया तथा अंत में उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुनिश्री पूज्यसागर के सानिध्य में निकली भव्य पालकी यात्रा, गूंजे आदिनाथ के जयकारे

इंदौर (राजेश जैन 'दद्दू'). शाबाश इंडिया

भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक से महावीर जयंती तक चलने वाली 20 दिवसीय पदयात्रा के दौरान शुक्रवार को अंतर्मुखी मुनिश्री पूज्यसागर जी महाराज का तुलसीनगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ।

भव्य अगवानी और विहार

फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि श्रद्धालुओं ने मुनिश्री के पाद प्रक्षालन कर भव्य अगवानी की। दर्शनोपरांत मुनिश्री के सानिध्य में समाजजन बैंड-बाजों के साथ महालक्ष्मीनगर की ओर रवाना हुए। पूरे मार्ग में गुरुवर के जयकारों से वातावरण धर्ममय बना रहा। महालक्ष्मीनगर पहुँचकर भगवान आदिनाथ जी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई, जिसमें आरती और वंदना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पालकी यात्रा के समापन पर महालक्ष्मीनगर मंदिर में जितेंद्र कुमार जैन और दिलीप पाटनी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात भगवान का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। शांतिधारा का सौभाग्य आशीष जैन ने प्राप्त किया, जिसमें मुनिश्री ने मंत्रोच्चारण किया। कार्यक्रम में अनिल मोदी, राकेश विनायगा, आरके जैन सहित बड़ी संख्या में समाज श्रेष्ठी उपस्थित रहे।

मुनिश्री का मंगल प्रवचन: "त्याग से मिटते हैं राग-द्वेष"

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री पूज्यसागर जी ने कहा, यदि जीवन में त्याग है, तो राग-द्वेष स्वतः समाप्त हो जाते हैं। राग-द्वेष के साथ की गई पूजा पाप का कारण बनती है। उन्होंने आदिनाथ और महावीर स्वामी के सिद्धांतों की समानता बताते हुए कहा कि केवल समय और परिस्थितियों की कठिनाई का अंतर था, मूल तत्व एक ही है।

समाज का सम्मान और संकल्प

समारोह में सामाजिक संसद कीर्ति स्तंभ के प्रत्याशी दिलीप पाटनी का बहुमान किया गया। उन्होंने समाज सेवा का संकल्प लेते हुए आगामी चुनाव के लिए सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विजयनगर, तुलसीनगर और महालक्ष्मीनगर के पदाधिकारियों सहित धर्मेंद्र जैन, एमके जैन, कुमुद जैन, अंकुर जैन और संजय पापड़ीवाल जैसे अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

धुलियान में भक्तिभाव के साथ मनाया गया भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक

धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव १२ मार्च २०२६ को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। स्थानीय श्री मंदिर जी में प्रातः काल भगवान का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। अभिषेक के उपरांत भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को भव्य पालकी में विराजमान कर नगर में शोभायात्रा निकाली गई। इस जुलूस में प्रतिदिन अभिषेक करने वाले श्रावक 'इंद्र' के रूप में और महिलाएँ केसरिया वस्त्र धारण कर सम्मिलित हुईं। भगवान के जयकारों से संपूर्ण नगर गुंजायमान हो गया। मंदिर वापसी पर भगवान को पालना झुलाने का सौभाग्यपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संध्या काल में ऋद्धि मंत्रों के साथ भक्तामर दीप प्रज्वलन का विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया। इसके पश्चात सामूहिक आदिनाथ चालीसा का पाठ हुआ, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। स्थानीय प्रतिनिधि संजय बड़जात्या ने बताया कि समस्त कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए।

'जाति जनगणना और सामाजिक न्याय' पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

दिल्ली के 'कॉन्स्टिट्यूशन क्लब' में अखिल भारतीय अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र संघ के तत्वावधान में एक विशेष पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ''जाति जनगणना और सामाजिक न्याय का सुदृढ़ीकरण'' नामक पुस्तक का लोकार्पण हुआ। इस पुस्तक का संपादन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी. किरण कुमार और डॉ. वाहिनी बिल्लू ने किया है।

सांसदों और विद्वानों के विचार

पुस्तक का विमोचन लोकसभा सांसद मल्लू रवि, राज्यसभा सांसद पी. विल्सन, आर. कृष्णैया, संजय सिंह और पूर्व सांसद रापोलू आनंद भास्कर सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र में सामाजिक न्याय को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए सटीक जातिगत आँकड़े होना अनिवार्य है। यह आँकड़े भविष्य की कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होंगे। इस पुस्तक में अमेरिका की प्रोफेसर त्रिना विथायथिल, जेएनयू के डॉ. अजय गुडावर्ती और सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी टी. चिरंजीवुलु जैसे विशेषज्ञों के शोधपरक लेख संकलित हैं। सामाजिक विचारक कांचा इलैया शेफर्ड की प्रस्तावना इस पुस्तक के वैचारिक महत्व को और बढ़ाती है। कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने जाति जनगणना को सामाजिक असमानता दूर करने का एक सशक्त माध्यम बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविरों की तैयारियों हेतु कार्यशाला संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर जिले में राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविरों के सफल आयोजन को लेकर श्री महावीर दिगंबर जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला में जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य और कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

14 से 20 मार्च तक 78 विद्यालयों में लगेंगे शिविर

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील सिंघल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए शिविर आयोजन की विस्तृत प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि आगामी 14 मार्च से 20 मार्च तक जयपुर जिले के 78 विद्यालयों में इन विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सिंघल ने जोर देकर कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भावना और नेतृत्व जैसे गुणों का विकास होता है। कार्यक्रम संयोजक नवल जैन ने शिविर के दौरान संचालित होने वाली गतिविधियों और प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से शिविर से संबंधित सभी अभिलेखों (रिकॉर्ड) और आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित रूप से संधारित करने के गुर सिखाए, ताकि भविष्य में संदर्भ के लिए सटीक दस्तावेजीकरण उपलब्ध रहे।

सामाजिक जुड़ाव का माध्यम

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश आर्य ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से छात्र सहयोग और जिम्मेदारी जैसे मानवीय मूल्यों को व्यावहारिक रूप से सीखते हैं।

आदिनाथ महिला मंडल की नृत्य नाटिका से जीवंत हुए आदि प्रभु के गर्भ व जन्म कल्याणक प्रसंग

ब्यावर. शाबाश इंडिया

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की जयंती की पूर्व संध्या पर सुधासागर कॉलोनी स्थित आदिनाथ जिनालय में आदिनाथ महिला मंडल द्वारा भव्य नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भगवान आदिनाथ के गर्भ एवं जन्म कल्याणक के दिव्य प्रसंगों को जीवंत किया गया।

भक्तिमय प्रस्तुति और अभिनय

कार्यक्रम का शुभारंभ आदि प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात महिला मंडल की सदस्यों ने आकर्षक वेशभूषा और भावपूर्ण अभिनय के माध्यम से आदिनाथ भगवान के जीवन के प्रारंभिक कल्याणकों को मंच पर उतारा। कलाकारों की प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

धर्म और संस्कारों का संगम

मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष रूपचंद कासलीवाल ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में धर्म के प्रति आस्था और नई पीढ़ी में आध्यात्मिक चेतना जागृत करते हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ अध्यक्षा रेणुका कासलीवाल एवं मंत्री प्रमिला गंगवाल सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजय फागीवाला, शशिकांत गदिया, मनोज कासलीवाल और आनंद गंगवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समाजजनों ने महिला मंडल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ा रहता है। कार्यक्रम में जितेंद्र गंगवाल, अमित गोधा, नितिन छाबड़ा और मनीष सोनी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रावक उपस्थित थे।